संरम्भ *m.* (r. रभ् praef. सम् irasci, inserto म् s. अ) ira. N. 13.31.

संवत्सर *m.* (e सम् et वत्सर q. v.) annus. Sa. 2.23.

संवरण *n.* (r. वृ praef. सम् s. अन) occultatio. Ur. 84.5.

संवर्धन *n.* (r. वृध् praef. सम् s. अन) incrementum, auctus, successus. Ur. 60.8.

संवाद *m.* (r. वद् loqui praef. सम् s. अ) colloquium.

संवास *m.* (r. वस् praef. सम् s. अ) cohabitatio. Hit. 124.8.

संविद् *f.* (r. विद् praef. सम्) conventus, conventum, pactum. Man. 8.219.

संवीत v. r. व्ये praef. सम्.

संशय *m.* (r. शी praef. सम् s. अ) dubium. H. 10.15.16.

संशयित (a praec. s. इत) dubiosus. Br. 2.30.

संशुद्धि *f.* (r. शुध् praef. सम् s. ति) purificatio. Bh. 16.1.

संश्रय *m.* (r. श्रि ire praef. सम् s. अ) 1) congressus, conventus. N. 20.41. 2) refugium. In. 1.22.

संसद् *f.* (r. सद् ire praef. सम्) coetus. N. 17.36.13.10.

संसर्ग *m.* (r. सृज् praef. सम् s. अ) congressio, conventus, conjunctio, consociatio, permixtio. Hit. 28.18.10.13.

संसार *m.* (r. सृ ire praef. सम् s. अ) mundus, terra, mortalium habitatio. Hit. 4.19.33.14. Bh. 16.19.

संसिद्धि *f.* (r. सिध् perficere praef. सम् s. ति) perfectio. Bh. 3.20.6.37.

संसुप्त v. स्वप् c. सम्.

संस्कार *m.* (r. कृ praef. सम्, adjecto स् euphon., s. अ) 1) ornatus, ornamentum. Hit. 4.1. 2) consilium, propositum. Hit. 112.5.

संस्कृत v. कृ praef. सम्.

संस्त् 2. *P.* (स्वप्ने) dormire. *Vid.* सस्.

संस्तीर्ण v. स्तॄ praef. सम्.

संस्थ (r. स्था stare, esse, praef. सम् s. अ) qui est unâ *cum aliquo,* in praesentiâ *alicujus,* conjunctus. Br. 3.13. Dr. 8.42. Bh. 6.15.

संस्था *f.* (r. स्था stare, esse, praef. सम्) 1) status. 2) forma, similitudo.

संस्थान *n.* (r. स्था praef. सम् s. अन) actio standi, versandi, morandi. Hit. 61.2.

संस्थापन *n.* (a स्थापय् *Caus.* r. स्था stare praef. सम् s. अन) actio stabiliendi, confirmatio. Bh. 4.8.

संस्थित (a संस्था s. *Taddh.* इत, v. gr. 652.) formâ praeditus, *in fine comp. e. c.* वराहसंस्थित apri formâ praeditus. A. 3.18., कैरातसंस्थित *Kairâti* formâ praeditus. A. 3.20.

संस्थिति *f.* (r. स्था praef. सम् s. ति) actio standi, exstandi, consistendi. Hit. 15.16.

संस्पर्श *m.* (r. स्पृश् tangere praef. सम् s. अ) contactus. Bh. 5.22.

संहत v. हन् c. सम्.

संहतत्व *n.* (a praec. s. त्व) conjunctio, copulatio. Hit. 117.9.

संहति *f.* (r. हन् praef. सम् s. ति) *id.* Hit. 14.6.

संहर्तृ *m.* (r. हृ praef. सम् s. तृ) eversor, subversor, exstinctor. Ur. 83.17.

संहार *m.* (r. हृ praef. सम् s. अ) deletio, exstinctio, dissolutio, eversio. A. 8.22. (ubi cum ed. Calc. संहारः pro सङ्ग्रामः legendum); In. 3.3. *Vid.* संहर्तृ.

संहित v. धा praef. सम्.

सकल (*Bah.* e स cum et कला pars, portio) totus. M. 44. (Fortasse lith. *cz'ielas* totus, russ. **цѣлый** *zielyï* id., slav. **цѣлъ** *ziel* sanus, v. Mikl. p. 104.; polon. *saly, salki* totus; fortasse goth. *hail-s,* Them. *haila* salvus, sanus, abjectâ syllabâ initiali; island. vet. *heil,* anglo-sax. *hal;* ita lat. *salvus* convenit cum scr. सर्व q. v.)

सकातर (*Bah.* e स cum et कातर *n.* confusum, turbatum, perplexum) stultus. N. 13.18.

सकाम (*Bah.* e स cum et काम optatum) optati compos., felix, laetus. H. 1.45.

सकाश *m.* (e स cum et काश a r. काश् splendere s. अ) propinquitas, praesentia. N. 1.21.24.2.

सकृत् *Adv.* (ut mihi videtur, e demonstr. स, quod hac in comp. unus significat, et कृत् faciens) semel. Sa. 2.26. (Cum priore hujus compositi parte cf. lat. *se, si, sim*